RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 29 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 25 दिसम्बर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कड़ाके की ठण्ठ में राजनीतिक गर्मी

लोकसभा में पार्टी टिकट हेतु फुर्ती

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

उत्तराखण्ड के ऊँचाई वाले इलकों में बर्फबारी के साथ ही कड़ाके की ठण्ड शुरु हो चुकी है। उत्तरकाशी के गंगोत्री व हर्षिल में बर्फबारी से लकदक इलाके दिखाई दे रहे हैं। केदारनाथ, बदरीनाथ, रुद्रनाथ, हेमकुण्ड, औली तमाम जगह बर्फ का नजारा अद्भुत है। प्रकृति का अपना नियम है और मानवीय गुण अपने हैं। तभी तो इन दिनों में कड़ाके की ठण्ड के बावजूद सिमटना छोड़ राजनीति उछाल पर है। आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी से टिकट को लेकर बड़े नेता फुर्ती दिखा रहे हैं और इनके गुटों के बीच गर्मी बनी हुई है। विधान सभा चुनावों में भाजपा की पकड़ के कारण मनोवैज्ञानिक माहौल तो बना है और मोदी का जादू उत्तराखण्ड में पहले से है। फिर भी पार्टी संगठन बूथ स्तर तक लगातार निगरानी और बैठकों कर रहा है।

विपक्षी एकता के जोर का क्या नजारा देखने को मिलेगा, वह समय बतायेगा लेकिन कांग्रेस के बड़े नेता अपने टिकट के लिये जुगत में हैं और संगठन स्तर पर सम्पर्क अभियान जारी है। कांग्रेस ने चुनाव को लेकर जिलेवार कार्यकर्ता सम्मेल किये हैं। प्रदेश की 70 विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारी नियुक्त किये हैं। पार्टी ने चुनाव से पहले पूर्व सैनिकों को साथ लाने के लिये सम्मेलनों की तैयारी भी की है। अल्मोड़ा और श्रीनगर में सम्मेलन के बारे में पार्टी के बलबीर सिंह रावत ने बताया कि इसमें चुनाव पर मंथन होगा।

नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट

नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट के लिये कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्यकी दावेदारी के बाद से घमासान है। आर्य अनुभवी और वरिष्ठ नेता हैं लेकिन इस सीट पर तिलकराज बेहड़ बेहड़ भी चाह रखते हैं क्योंकि तराई के बोट बैंक पर उन्हें भरोसा है। पूर्व सांसद महेन्द्र पाल और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का नाम भी सीट पर प्रत्याशी के लिये गिना जा रहा है लेकिन नये चेहरे के रूप में पं.एन.डी.तिवारी के पारिवारिक कांग्रेस प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया की दाबेदारी ने खासा माहौल बना दिय है। कांग्रेस को तय करना होगा कि भाजपा के मजबूत किले को कैसे रौंदे क्योंकि यह सीट कांग्रेस का गढ़ रही है लेकिन पिछले दो बार से लगातार भाजपा की किलेबन्दी ने इसे अपने पक्ष में मजबूत ही किया है।

भाजपा की ओर से रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट नम्बर एक चेहरा माना जा रहा है क्योंकि वह लगातार सम्पर्कों में जुटे हैं। इस बीच बाजपुर से पूर्व शिक्षा मंत्री अरविन्द पाण्डे ने टिकट के लिये दांव चला तो किच्छा से पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने। देखना यह है कि पार्टी किस पर पर भरोसा करेगी।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ लोकसभा सीट

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़-चम्पावत-बागेश्वर लोक सभा सीट पर भाजपा की ओर से दो नाम सुनाई दे रहे हैं। पहला सांसद अजय टम्टा का और दूसरा सोमेश्वर विधायक और मंत्री रेखा आर्य का। टिकट के लिये रेखा इस बार काफी सक्रिय भी दिखाई दे रही हैं लेकिन पार्टी का अन्तिम फैसला तो शीर्ष नेताओं के मंथन के बाद ही होगा। कांग्रेस की ओर से राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा के अलावा अभी तक कोई ऐसा नाम नहीं सूझ रहा है जो चार विधानसभा सीटों तक फैली इस लोकसभा सीट से टिकट के लिये दाबेदारी कर सके।

हरिद्वार लोकसभा सीट

हरिद्वार लोकसभा सीट पर घमासान मुकाबला होगा। यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर जिले से लगे हरिद्वार में मतदाताओं ने नेताओं को हमेशा चकमा दिया है। यहाँ के विधानसभा चुनावों में सपा-बसपा-कांग्रेस-भाजपा सभी का दांव चला है, ऐसे में भाजपा-कांग्रेस किसको टिकट देकर भरोसा करती है यह देखने लायक है। देश के पूर्व शिक्षा मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भाजपा की ओर से मजबूत नेता हैं लेकिन इस सीट पर टिकट के लिये दूसरे नेता भी दम ठोक रहे हैं। इसी प्रकार कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का नाम पहले से चर्चा में है लेकिन तेज-तर्रार नेता हरक सिंह रावत की चाह भी इस सीट पर भाग्य आजमाने की है।

पौड़ी लोकसभा सीट

पौड़ी लोकसभा सीट में दिग्गजों के बीच टिकट के लिये दांप-पेंच चल रहे हैं। भाजपा का दुर्ग बने हुए पौड़ी में सेंध लगाने के लिये कांग्रेस नेता जोर में हैं। भाजपा की ओर से दो पूर्व मुख्यमंत्रियों सहित कई दिग्गज दावेदार हैं। बीसी खण्डूरी के पुत्र को हराकर सांसद बने पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत पार्टी की ओर से प्रबल दावेदार हैं लेकिन भाजपा में लिये जा रहे चौंकाने वाले फैसलों में किसे टिकट मिलेगा यह कहना अभी कठिन है। पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने भी पूरा जोर यहाँ से लगा रखा है। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, बदरी-केदार मन्दिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय पर भी पार्टी दांव खेल सकती है। सियासी गलियारों में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी का नाम भी चर्चा में बना हुआ है। कांग्रेस की ओर से पुराने प्रत्याशी को दोहराया जायेगा या चेहरा बदलेगा यह फिलहाल तय नहीं है। वर्ष 2019 में कांग्रेस ने बीसी खण्डूरी के पुत्र मनीष खण्डूरी को उतारा था, जो तीरथ सिंह रावत से हार गये। इस समय चर्चा है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को भी आजमाया जा सकता है। बदरीनाथ विधायक राजेन्द्र भण्डारी, पूर्व मंत्री मंत्रीप्रसाद नैथानी, पूर्व विधायक मनोज रावत भी इस दौड़ में हैं।

टिहरी लोकसभा सीट

टिहरी लोकसभा सीट पर पार्टियों की अन्दरूनी

शेष पृष्ठ 2 पर

रामनगर की रोज सेंटेड प्रजाति लीली को मिला जीआई टैग

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

देहरादून में, जो कभी अपनी लीची के लिए प्रसिद्ध था, गर्मियों का पर्याय माना जाने वाला यह फल इस मौसम में आकार में बहुत छोटा है और इसमें सामान्य सुगंध और स्वाद का अभाव है। किसानों, उद्योग हित ारकों और राज्य बागवानी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नियमित मौसम (शुष्क सर्दियाँ और अधिक बारिश और वसन्त के महीनों में असामान्य ठण्ड) के कारण राज्य भर में लीची की पैदावार प्रभावित हुई है। उत्तराखण्ड में लीची के बाग 10,000 हेक्टेयर में फैले हुए हैं, जहाँ हर साल 25,000 मीट्रिक टन फल का उत्पादन होता है। उत्तराखण्ड में प्री-मानसून सीज़न (1 मार्च से 21 मई) में अधिशेष वर्षा दर्ज की गई। प्रमुख लीची बेल्ट देहरादून में इस अवधि में 43प्रतिशत अधिशेष वर्षा दर्ज की गई और मई 15 वर्षों में सबसे ठंडा रहा। मई में, जब लीची को सूखे और गर्म मौसम की जरूरत थी, भारी बारिश हुई। इससे नमी अधिक हो गई, जिससे फल खराब हो गए। किसानों का मानना है कि अगर बारिश जारी रही तो लीची की कुल पैदावार कम से कम 50 प्रतिशत प्रभावित होगी। पिथौरागढ के मुनस्यारी के भैंसखाट गाँव के लीची उत्पादक जिनके पास 15 वर्षों से 100 लीची के पेड़ों का बगीचा है, ने कहा, 'पिथौरागढ़ में लीची में देर से फल लगे। हमें सन्देह है कि हम इस साल ज्यादा मुनाफ़ा कमा पाएंगे या नहीं।'

नैनीताल के रामनगर में फलों के रस प्रसंस्करण इकाई के मालिक किसान ने कहा, 'हमारी इकाई में, हम आमतौर पर सालाना 1 से 1.5 टन लीची स्क्वैश बनाते हैं, लेकिन इस साल, हम इसे भी बनाने में सक्षम नहीं हैं।' देहरादून में भी किसान परेशान हैं। विकास नगर क्षेत्र के लीची उत्पादक ने कहा, 'इस साल असामयिक ओलावृष्टि के कारण लीची में धब्बे पड़ गए हैं। फल या तो टूटा हुआ होता है या रोग ग्रस्त होता है। लीची भी तेजी से किण्वित हो रही है। राज्य में कुल उपज प्रभावित होगी। पन्तनगर में जीबी पंत यूनिवर्सिटी अ न एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलाजी के पोमोलाजिस्ट ने टीओआई को बताया, ह्इस साल कम गुणवत्ता वाली लीची के पीछे जलवायु परिवर्तन निश्चित रूप से प्रमुख कारणों में से एक है। विशेषकर कुमाऊँ में पैदावार खराब हुई है। बारिश बहुत गलत समय पर हुई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप स्वादहीन और विकृत फल पैदा हुए। राज्य में लीची का कुल रकबा 10,253 हेक्टेयर है। इस क्षेत्रफल में गत वर्ष 23,742 मीट्रिक टन उत्पादन हुआ था। सर्वाधिक लीची दून में होती है। उद्यान विभाग के सर्वे में ही लीची की लगभग 20 प्रतिशत फसल बर्बाद होने की जानकारी सामने आई है। इस बार आम में पहले ही बौर कम आई थी। उस पर आंधी, वर्षा और ओलावृष्टि ने फसल को करी नुकसान पहुँचाया। बीच-बीच में आंधी आने से कच्चे आम गिर गए, जिन्हें औने-पौने दाम पर बेचना पड़ा। रामनगर की लीची को जीआई टैग मिलने से बागबान गदगद हैं। जीआई टैग मिलने के बाद लीची की मांग बढ़ने के साथ बागबानों की आय भी बढ़ने की उम्मीद है। अब जीआई टैग के अतिरिक्त कोई भी रामनगर की लीची कहकर नहीं बेच जाएगा। लीची बेचने के लिए किसान एवं व्यापारी को यूजर सर्टिफिकेट लेना होगा। इसके बाद वह जीआई टैग लगाकर लीची को बेच सकते हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

पहाड़ के हालात पहाड़ ही हैं

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की २०१८ से अब तक की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड में प्रतिदिन औसतन २३० लोग पहाड़ से पलायन कर रहे हैं। २०१८ से पहले यह आंकड़ा १३८ था। पलायन आयोग की ताजा रिपोर्ट में इसके आंकड़े भी प्रस्तुत किये हैं। एसडीसी फाउंडेशन के निदेशक अनूप नौटियाल के अनुसार प्रदेश में २००८ से २०१८ के बीच कुल ५०२७१७ लोगों ने पलायन किया। जबकि आयोग गठन के बाद २०१८ से २०२२ के बीच यह आंकड़ा ३३५८४१ पहुँच गया है। इस प्रकार उत्तराखण्ड में वार्षिक आधार पर २००८ से २०१८ की अवधि में ५०२७२ लोगों की तुलना में गत चार वर्ष में सालाना औसत ८३९६० लोगों ने पलायन किया। रिपोर्ट के अनुसार विगत चार वर्षों में राज्य के २४ गाँव पूरी तरह निर्जन हो गए हैं, इसमें सीमान्त के १२ गाँव भी शामिल हैं। इस प्रकार प्रदेश में ऐसे गाँवों की संख्या १७२६ पहुँच गई है।

ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग की रिपोर्ट और आंकड़ों से यह साफ हो रहा है कि पहाड़ के हालात पहाड़ ही हैं। कहने को दुनियाभर का पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, विकास की बहार चल रही है। सड़कों का जाल बिछ रहा है, स्कूल-कालेज सहित कई प्रकार की बिल्डिंग बन रही हैं। इन सबक अलावा नेतागर्दी इस कदर हाबी हो चुकी है कि बात-बात पर जागरूकता दिखाई देती है। लेकिन सच तो हमेशा सच होगा।

पृथक पर्वतीय राज्य बनाने की जिद पहाड़ियों में बहुत थी लेकिन उत्तराखण्ड का स्वप्न अधूरा है। निर्जन स्थानों में जाकर उन्हें आबाद करने वाले कर्मठ लोगों की नई पीढ़ियां क्या आराम-तलब हो चुकी हैं? क्या उन्हें प्रकृति के साथ समझौता करने की आदत नहीं रही? क्या हमारे लघु-कुटीर उद्योगों और खेतीबाड़ी, पशुपालन सुस्त हो गये हैं। विकास के तमाम पुरस्कार प्रदेश को मिल रहे हैं लेकिन सच्चाई यही है कि कर्मठ पर्वतीय जन लाचार हैं। जितनी स्वस्थ्य परम्परा यहाँ है, उस अनुसार न्याय नहीं हो पा रहा है। इसके लिये बाहर से कोई नहीं आयेगा, ये आवाज अपने अन्दर से आनी चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

जीवाश्म ईंधनों का प्रयोग बन्द करने पर सहमति

दुबई। सीओपी 28 शिखर सम्मेलन के अन्तिम सत्र में लगभग 200 देशों के बीच एक ऐतिहासिक जलवायु समझौते पर सहमति बनी, जिसमें जलवायु संकट के प्रमुख कारण जीवाश्म ईधन का प्रयोग उचित और न्यायसंगत तरीके से खत्म करने का आह्वान किया गया।

पाक में आत्मघाती हमला, २३ की मौत

पाकिस्तान के अशान्त खैबर पख्तूनख्व प्रान्त के डेरा इस्माइल खान जिले में सुरक्षाबलों पर हुए आत्मघाती हमले में 23 सैनिकों की मौत हो गई। आतंकी संगठन तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली।

डोनाल्ड टस्क पोलैंड के नये प्रधानमंत्री

पोलैंड में डोनाल्ड टस्क नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले चुके हैं। बारसॉ में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री व उनके कई मंत्रियों ने पद की शपथ ली। यूरोपीय संघ समर्थित सरकार का शपथ समारोह बारसॉ स्थित राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसी के साथ पोलैंड में 'लॉ एण्ड जस्टिस पार्टी' के आठ साल का अन्त हो गया।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के केन्द्र सरकार के फैसले को बैध करार दिया। कोर्ट ने कहा, अनुच्छेद 370 अस्थायी प्रावधान था। जम्मू कश्मीर के भारत में विलय और 25 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को अंगीकार करने के बाद जम्मू कश्मीर राज्य में सम्प्रभुता का कोई तत्व बरकरार नहीं रहा।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं १५ फरवरी से

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की हाईस्कूल की परीक्षाएं 5 फरवरी से शुरु होंगी। बताया है कि हाईस्कूल की परीक्षाएं 3 मार्च और इण्टर की परीक्षा 13 मार्च को समाप्त हो जायेंगी। जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तारीखों को ध्यान में रखा गया है।

कश्मीर मुद्दा और जटिल : इमरान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का कहना है कि अनुच्छेद 370 के अधिकारक प्रावधानों को निरस्त करने के भारत सरकार के फैसले की वैधता को वहाँ के उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखे जाने से कश्मीर मुद्दा और जटिल हो जाएगा। इमरान कहते हैं भारतीय शीर्ष अदालत का विवादास्पद और गैर कानूनी फैसला दशकों पुराने संघर्ष को हल करने में मदद के बजाय और जटिल बना देगा।

फसक

दाज्यू, भ्रष्टाचार पर हल्लड़-गुल्लड़ होने वाली ठैरा

दबादब बयानबाजी तो होती रहती है बल

दाज्यू, चारों ओर भ्रष्टाचार पर खूब चर्चा हो रही है। हर कोई भ्रष्टाचार रोकने की बात कर रहा है लेकिन..........क्या होगा? दाज्यू, भ्रष्टाचार पर हल्लड़-गुल्लड़ होने वाली ठैरी। कहना आसान ही हुआ। चाहे जिसको दबोच लो, कहीं तो कुछ निकलेगा ही। कोरोड़ों का माल बरामद भी हो रहा है।

हमारे सीएम सैप धामी ने भी भ्रष्टाचार पर प्रहार कर दिया है बल। उन्होंने कहा- 'प्रधानमंत्री मोदी के मार्ग दर्शन और सशक्त नेतृत्व में उत्तराखण्ड लगातार समृद्ध हो रहा है।' पीएम-सीएम तो बोलें तो बड़ी बात, यहाँ तो चुनरुवा भी बयान देने लगा है। जब बात भ्रष्टाचार की है तो हर कोई चालू है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री अजय भट्ट ज्यू ने कहा- 'कोंस, करप्शन और कैश एक दूसरे के पर्यायवाची हैं।' कांग्रेस सांसद धीरज साहू के ठिकाने पर भारी मात्रा में नकदी पकड़ के बाद बिल से कई नेता निकल कर बयान कर रहे हैं। दाज्यू, गरम लोहे में ही हथौड़ा चलाते हैं बल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट कह रहे हैं- 'कांग्रेस ने अपना ही रिकार्ड तोड़ा।' कांग्रेस की महिला प्रदेश अध्यक्ष गरिमा दसौनी ने चटकोना बयान दिया- 'भाजपा में शामिल होते ही गंगा नहा लेते हैं आरोपी।' हरदा की तो पूछो मत दाज्यू। कह रहे हैं- 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिति की व्यंजन सूची में पहाड़ के व्यंजन दुबके हुए थे।'

दाज्यू, बड़े नेताओं के बयान जारी हैं। दूसरी ओर भ्रष्टाचार की मशीन चालू है बल। रुद्रपुर में एक मामला दर्ज हुआ है जिसमें पता चला कि कनाडा में नौकरी लगाने के नाम पर सात लाख से ज्यादा ठगी हुई है। दाज्यू, सब भोग-भाग लगा ठैरा। अब देखो जरा, खटीमा में पूर्व दर्जा राज्य मंत्री की पुत्री से मारपीट का मामला चल रहा है। आरोप लग रहा है कि वाहन सवार ने युवती को टक्कर मार थी और मारपीट भी की। ऊर्जा निगम कह रहा है- 'जनवरी के माह में बिजली का बिल ज्यादा आयेगा।' निगम ने बिजली दरों में 23 पैसे से 55 पैसे प्रति यूनिट वृद्धि की है।

दाज्यू, नेताओं के बयानों की पूछो मत, हुल्लड़-गुल्लड़ मची है। बाजपुर के छोड़ मार्ग स्थित अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग से भरा डम्पर तहसीलदार द्वारा पकड़ा गया लेकिन रात में अज्ञात खनन माफिया हथियारों के बल पर होमगार्ड का किडनेप करके डम्पर को ले गये। होमगार्ड सिपाही को रुद्रपुर के नेशनल हाईवे पर स्थित तेल मिल के पास छोड़ गये थे बल। दाज्यू, बहुत ही खतरनाक होने लगा है। कौन कब उठकर कपड़योव कर दे पता नहीं। अब जाँच होगी बल।

डिग्री कालेजों का हाल क्या कहें दाज्यू। प्रवेश और परीक्षाफल को लेकर मार धूंधा लगी ठैरी। पटरी वाले कालेज में एनएसएस वाली मैडम समोसा खिलाकर बिल का पेट भर रही है बल। सबको पता है कि यूनिट पूरी नहीं है लेकिन कागज में लिखापड़ी करने से कौन रोक रहा है। कहते रहो- भ्रष्टाचार मिटाना है। शंकर लम्बू कह रहा है- 'दस-बीस बच्चों को समोसा खिलाकर पुचका जाता है।' दाज्यू, जमाना पुचकारने का ही है। सुनने में आ रहा है कि कालेजों में देवभूमि उद्यमिता विकास केन्द्र बनेंगे। समझ नहीं आ रहा है अखाड़े बनते जा रहे कालेजों में कैसा जैसा हो रहा होगा। प्रोफेसर बुलरुवा बहुत खुश है। उनका कहना है- 'रही बची खुराक मिल जाएगी। पूरी जवानी उधेड़बुन में काट डाली। अब बुढ़ापे में बकतोल कर समय काटना है।' पुलिस वाले खुश हैं क्योंकि रुद्रपुर में 50 लाख की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार कर लिये। जंगलात वालों ने भी छापा मारकर रुद्रपुर के केलाखेड़ा में खैर के 83 नग बरामद कर लिये हैं। दाज्यू, कितने प्रकार की गन्ध है क्या समझाया जाए? दाज्यू, पिथौरागढ़ शहर में सड़क किनारे खड़े वाहनों को तोड़ फोड़ करने वाले अराजक सक्रिय हो गये हैं बल। ठण्ड के दिनों में ऐसा प्रकोप देक बुतदा कह रहा है- 'ग्रामीण व्यवस्था सुधार योजना होगी।' पौष की कड़क ठण्ड हो रही है। अपना जतन करना....

-तुम्हारा भुली झकरुवा

रामनगर की.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

रामनगर लीची उत्पादक संगठन के सचिव और अध्यक्ष ने देहरादून में मुख्यमंत्री से जीआई टैग से सम्बन्धित प्रमाणपत्र प्राप्त किया। उद्यान विभाग के प्रभारी ने बताया कि रामनगर और कालाढूंगी क्षेत्र में लगभग 900 हेक्टेयर में लीची की पैदावार होती है। रामनगर, कालाढूंगी क्षेत्र की आम व लीची की मिठास विदेशों तक पहुँचती है। रामनगर की रसीली और खुशबू वाली लीची चण्डीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मेरठ, सम्भल, हरियाणा, राजस्थान, मुंबई और दिल्ली भेजी जा रही है। स्थानीय मण्डी में भी लीची की अच्छी खपत होती है। जीआई टैग लगी लीची रामनगर की पहचान होगी। अब कोई रामनगर की लीची बताकर धोखाधड़ी नहीं कर सकता है। इससे लीची से जुड़े बागबानों को काफी फायदा होगा। रामनगर लीची उत्पादक संगठन के सचिव ने बताया कि जीआई टैग केवल रामनगर की रोज सेंटेड प्रजाति की लीची को मिला है। जीआई टैग उत्पाद की विशेषता की पहचान होती है। सचिव ने बताया कि जीआई टैग लेने के लिए लीची मालिकों की कागजी कार्रवाई संगठन पूरी कराएगा। 2003 में जीआई कानून बनने से लेकर 2023 तक के बीस वर्षों के सफर में पहली बार एक दिन में, एक साथ किसी राज्य के 18 उत्पादों को जीआई प्रमाण पत्र निर्गत किये गए हैं। इस उपलब्धि से उत्तराखंड के पहाड़ी व्यंजनों के साथ ही कई अन्य वस्तुओं तथा इनसे सम्बन्धित कलाकारों को काफी लाभ होने के साथ ही दुनियाभर में उत्तराखण्ड को अलग पहचान मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जीआई टैग युक्त उत्तराखण्ड के उत्पादों का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। जी.आई. टैग से समर्थित उत्पादों की मार्केटिंग विकसित करने से स्थानीय ऋषि और अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलता है, क्योंकि यह उत्पादों को विशिष्ट स्थानों से संबंधित बनाए रखता है। ऐसे में बिचौलिये सरकारी समर्थन मूल्य से दो-चार रुपये ज्यादा देकर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं और किसान खाली हाथ हैं। सरकार को लोगों को आसानी से विपणन उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनानी होगी।

कड़ाके की ठण्ड...

प्रथम पृष्ठ का शेष

खींचतान साफ दिखाई दे रही है। पिछला लोकसभा चुनाव इस सीट पर लड़ चुके पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने आगे लोकसभा चुनाव न लड़ने की बात करते हुए अन्दरूनी हलचल की है। प्रदेश संगठन प्रभारी देवेन्द्र यादव और प्रीतम के बीच मन एक न होने का खामियाजा भी पार्टी को भुगतना ही होगा। प्रीतम सिंह की मतदाताओं में पकड़ के बीच पार्टी हड़बड़ी नहीं करना चाहती। भाजपा की ओर से टिहरी रियासत की महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह सांसद हैं। ऐसे में उनकी या राज परिवार की दाबेदारी हमेशा मजबूत मानी जाती रही है। इसके बावजूद भाजपा नये चेहरों पर दांव चल सकती है। जिला पंचायत अध्यक्ष सोना सजवाण की सक्रियता भी चर्चाओं में है। लक्ष्मी शाह के प्रति नाराजगी व सोना सजवाण की सक्रियता से अनुमान लगाया जा रहा है कि पार्टी महिला हिस्सेदारी की बात करते हुए नये चेहरे पर दांव लगा सकती है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्मरण

कैलास यात्रा के वह दिन जब यात्रियों का मुख्य अड्डा परसीलाल वर्मा के वहाँ होता

पूर्व में बेरीनाग की शान, पहचान व विकास के आधारभूत महारथी रहे स्व. परसी लाल वर्मा जी के सम्बन्ध में वयोवृद्ध शिक्षाविद् श्री भगवती प्रसाद जोशी के विचार प्रस्तुत हैं। बातचीत में शामिल हैं- दीवान सिंह कठायत, प्रधानाध्यापक राआप्रावि उडियारी

सच जानिए नेता केवल वह नहीं जो राजनीति के क्षेत्र में अपना योगदान देते हैं। मेरी नजर में सबसे बड़ा नेता तो वह है जो सभी के साथ समान व्यवहार बनाए हुए हो, सभी से सम्वाद स्थापित करता हो और अपने से अधिक दूसरे को सम्मान देता हो।

मैं प्रातःस्मरणीय स्वर्गीय परसीलाल वर्मा जी को प्राय: याद करते रहता हूँ, घनिष्ट पारिवारिक सम्बन्ध रहे, केवल मेरे परिवार से नहीं वरन जो भी कभी मिला हो घण्टा दो घण्टा उनके बैठक में उनके साथ बैठा हो वह उनका हो जाता और फिर समझिए पारिवारिक मित्र।

हंसमुख, सरल, विनम्रता की प्रतिमूर्ति। एकबारगी जो उनसे मिलता उसकी सेवा करने में जी जान से जुट जाते। उन दिनों कैलाश यात्रा के लिए लोग अल्मोड़ा से पैदल मार्ग से बेरीनाग होते हुए ही जाते थे, जो भी यहाँ से गुजरता वह उनका मेहमान हो जाता। स्वाभाविक है कि उन दिनों की पैदल कैलास यात्रा में असाधारण जीवट वाले साधक ही जा पाते थे। साधु सन्त, साधन सम्पन्न या फकीर, फक्कड़ प्रकृति के जीवट वाले सन्त ही एक प्रकार से देवाधिदेव महादेव जी की कृपा प्राप्त लोग कहिए कैलास यात्रा करने की सोचते। स्वर्गीय परसीलाल वर्मा जी देवाधिदेव महादेव के अनन्य भक्त नित्य प्रात: ढाई बजे उठकर पास के पानी के धारे में स्नानादि से निवृत्त होकर दोपहर तक पूजा आराधना उनका नियम था।

किसी राजनैतिक दल से उनका कोई लेना देना नहीं किन्तु किसी भी दल या विचारधारा का कोई भी व्यक्ति हो उसका बराबर सम्मान देते। मुझे याद है सांसद का चुनाव था और माननीय स्वर्गीय शोबन सिंह जीना जी जनसंघ के प्रत्यासी और माननीय स्वर्गीय जंग बहादुर बिष्ट जी कांग्रेस के प्रत्यासी थे। संयोग देखिए कि पैदल प्रचार करते हुए पहले कांग्रेस प्रत्यासी स्वर्गीय जंग बहादुर जी पहुँचे और वर्मा जी ने तुरन्त भीतर से कुर्सी मेज, दरी कालीन बिछाई और सारे बाजार में घूम घूमकर लोगों का हाथ पकड़कर सभा में बैठाकर सभा को सफल बनाया, मेहमानों की चाय नाश्ते की व्यस्था भी की गई और उनके विदा होते ही स्वर्गीय जीना जी जनसंघ प्रत्यासी दल बल के साथ पहुँच गए, दरी कालीन समेटी भी नहीं थी कि फिर से बिछाकर फिर से बाजार में दौड़ भाग कर भीड़ इकट्ठा की जैसे दल के कार्यकर्ता हों।

बाद के वर्षों में जब अल्मोड़ा से कुमाऊँ मोटर ओनर्स की एक सवारी मोटरगाड़ी डाक लेकर ठीक स्वर्गीय वर्मा जी के आवास के सामने रुकती और उसमें क्षेत्र का कोई भी संभ्रांत सदस्य अथवा कोई नवागन्तुक दिखाई पड़ता तो तुरन्त दौड़ पड़ते और कुशल क्षेम लेते।

तत्कालीन कोई भी राजनेता, जिला प्रशासन के अधिकारी, जिलाधिकारी सभी की उन्होंने मेहमाननवाज़ी की थी। विशेषता यह थी कि कोई सामान्य गाँव का आदमी भी उनके सामने से गुजर रहा हो और उनकी बैठक में कोई अधिकारी भी बैठे हों तो वह उन्हें भी समान आदर और आत्मीयता से अपने यहाँ बैठाने में तनिक संकोच नहीं करते।

वर्ष में एक बार अवश्य ही बाहर देव दरबार में दर्शन के लिए निकल पड़ते और आप आश्चर्य करेंगे कि एक बार उनको प्रातःस्मरणीय स्वर्गीय घनश्याम दास बिड़ला जी के साथ बैठकर ऊँ श्री उज्जैन महाकाल देवाधिदेव महादेव जी की पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उनके इस संसार से विदा ले लेने के बाद बेरीनाग में एक ऐसे मंच का अभाव दिखता है जहाँ चारों पहर क्षेत्र के सम्भ्रान्त सयाने नागरिकों की गोष्ठी दिखती थी और स्थानीय समस्याओं पर विचार विमर्श होता और सार्थक निर्णय पर लोग पहुँचते थे। सद्पुरुष को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर शत शत नमन।

क्षणिकाएं

1--
हम नहीं मुंहताज अब
किसी की मुट्ठी भर दया के लिए
धरती को बिछाना
आकाश को ओढ़ना
पेट दबा कर सो जाना
हमने यहाँ विरासत में सीखा है।

2--
घन से पत्थर तोड़ना
अधिक आसान होता है
एक आंखर 'अ' पढ़ने के
क्योंकि पत्थर तोड़ना
पेट से जुड़ा होता है।

3--
हमें उम्मीद बहुत थी उनसे
कि एक घर हमारे लिए भी बनेगा
मगर काश उनका ही घर ढह गया
हम तो रात फुटपाथ पर भी गुजार लेंगे।

4--
निगलने वालों ने यहाँ
अन्धेरा भी निगल लिया है
लेकिन फिर भी उजाला
न जाने कहां खो गया है
हम देख रहे हैं यहाँ
उजाला खो गया है
यहाँ सूरज को ही अब रोशनी नहीं दीखती
क्यों कि सूरज को मोतियाबिन्द हो गया है।

5--
बहुत पिया है छक कर पिया है
यहाँ लोगों ने समन्दर पिया है
और जिन्दगी को किसी के भरोसे नहीं
अपने दम पर जिया है।

7--
मिटा देंगे फासला
आदमी आदमी के बीच का
अब और नहीं सह सकते हम
याद दिला दो उन्हें
अमीर और गरीब के बीच खाई बनाने की
अगर न मिट सके यह फासला
और यह खाई
तो बदल देंगे तस्वीर जमाने की।

8--
बुरा कर्म करने से
कौन किसे रोक सकता है
ईंट की पक्की दीवार तोड़ना क्या कठिन
होता है चोरों के लिए
ताला तो ईमानदार के लिए होता है ।

-रतनसिंह किरमोलिया
गरुड़ (बागेश्वर)

ज्योतिष की बातें - 158

25 दिसम्बर 2023 को शुक्र स्वराशि से निकलकर समग्रह मंगल की राशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा, जहाँ पर शनि की दृष्टि भी पड़ेगी अत: शुक्र सामान्य फलदायक रहेगा। अगले 24 दिन मेष, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर व मीन राशियों के लिए शुक्र सांसारिक सुख आदि अपने कारक विषयों में सामान्य शुभफल प्रदान करेगा। शेष तीन राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

28 दिसम्बर 2023 को बुध वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा, जहाँ पर शुक्र से युति होगी तो शनि की ख्रष्टि भी पड़ेगी, अत: बुध सामान्य शुभ फलदायक रहेगा। अगले 11 दिन तुला, सिंह, मिथुन, मेष, कुम्भ व मकर राशि के जातकों को बुध व्यापार आदि अपने कारक विषयों में सामान्य शुभफल प्रदान करेगा।

28 दिसम्बर 2023 को मंगल मित्रराशि धनु में प्रवेश करेगा जहाँ पर गुरु की दृष्टि भी रहेगी अत: मंगल अत्यन्त शुभ फलदायक रहेगा। अगले 40 दिन तुला, सिंह, कर्क व कुम्भ राशि के जातकों को मंगल पराक्रम आदि अपने कारक विषयों में अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशियों को भी मंगल सामान्य फल प्रदान करता रहेगा।

31 दिसम्बर 2023 को अभी तक वक्री चल रहा गुरु मेष राशि में मार्गी हो जाएगा, अत: गुरु अपना शुभाशुभ ˜ल सामान्य रूप से प्रदान करेगा।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 49

लोकतंत्र में अलोकतंत्र

आजकल राजनीति में कोई भी नेता एक बार जब मुख्यमंत्री बन जाता है तो वह किसी भी प्रकार निरन्तर उस पद पर बने ही रहना चाहता है। कभी भी वह पद छोड़ना नहीं चाहता। इसी प्रकार स्थानीय निकाय से लेकर प्रधानमन्त्री तक किसी भी संवैधानिक पद पर एक बार शपथ ग्रहण करने के बाद उस पद से वह कभी उतरना ही नहीं चाहता। यही अलोकतान्त्रिक भावना है। एक व्यक्ति के लगातार एक ही पद पर 15, 20 साल तक बने रहने से समाज में एक स्थिरता सी आ जाती है। और वह व्यक्ति उस पद पर आगे भी बने रहने के लिए तरह-तरह के अलोकतान्त्रिक हथकण्डे भी अपनाता है। यदि कोई अन्य व्यक्ति उससे अधिक योग्य भी हो तो भी उसको देश की सेवा करने का अवसर नहीं मिलता है। जनता वोट तो विधायकों को देती है लेकिन मुख्यमन्त्री का चयन पार्टी हाईकमान करता है इसलिए जनता के साथ कई बार पार्टी के द्वारा विश्वासघात भी होता है। मुख्यमन्त्री प्रधानमन्त्री के पद पर सीधे जनता के द्वारा चयन हो तो अलग बात है।

मेरे विचार से किसी भी पद पर व्यक्ति को दोबारा चुने जाने पर प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए। जैसे- यदि कोई व्यक्ति ग्राम प्रधान बन चुका है तो उसको दोबारा ग्राम प्रधान बनने का अवसर नहीं मिलना चाहिए। इसके बाद उसे आगे ही बढ़ना चाहिए, जिला परिषद में जाए, विधायक बने, सांसद बने आदि आदि। मुख्यमन्त्री, प्रधानमन्त्री आदि किसी भी संवैधानिक पद पर पाँच साल के बाद दोबारा किसी का चयन नहीं होना चाहिए। विशेष परिस्थिति में ही कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका में भी राष्ट्रपति कोई भी व्यक्ति अधिकतम दो बार अर्थात आठ वर्ष तक ही रह सकता है । आने वाले अन्य नेताओं को भी अवसर मिलना चाहिए ।

-सरल

नामिक हाईस्कूल को चौथी बार दीनदयाल पुरस्कार

नाचनी/शामा। राजकीय हाईस्कूल नामिक को चौथी बार दीनदयाल पुरस्कार दिया गया है। राज्य सरकार की ओर से प्रतिवर्ष हाईस्कूल व इण्टर का परीक्षा फल सौ प्रतिशत रहने पर यह पुरस्कार दिया जाता है। सीमान्त क्षेत्र नामिक में इस उपलब्धि के लिये पूर्व समन्वयक गोविन्द रावत ने इसका श्रेय शिक्षक भगवान सिंह जैम्याल, राजेन्द्र दानू, बलराम राणा और जितेन्द्र सामन्त को दिया है। प्रधान तुलसी देवी, एसएमसी अध्यक्ष मंजू देवी, मोहन सिंह, भूपाल सिंह, लाल सिंह सहित समस्त ग्रामीणों ने विद्यालय को पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता जताई है।

११ नेताओं को लालबत्ती का सहारा

देहरादून। प्रदेश सरकार ने दायित्वधारियों की तीसरी सूची जारी करते हुए 11 नेताओं को लालबत्ती का सहारा दिया है। इस सूची में चण्डी प्रसाद भट्ट को सीमान्त क्षेत्र अनुश्रवण परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। विनोद उनियाल को राज्य स्तरीय महिला उद्यमिता परिषद का उपाध्यक्ष, श्यामवीर सैनी को प्रदेश स्तरीय गन्ना विकास सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष, राजकुमार को उत्तराखण्ड बागवानी विकास परिषद का उपाध्यक्ष, दीपक मेहरा को उत्तराखण्ड वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष, विनय रोहिला को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष, उत्तम दास को उत्तराखण्ड मत्स्य पालक विकास अभिकरण का उपाध्यक्ष, दिनेश आर्य को उत्तराखण्ड राज्य स्तरीय पेयजल अनुश्रवण परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी प्रकार गणेश भण्डारी को राज्य स्तरीय लघु सिंचाई सलाहकार समिति का उपाध्यक्ष, देवेन्द्र भसीन को राज्य उच्च शिक्षा उन्नयन समिति का उपाध्यक्ष ओर विश्वास डाबर को अवस्थापना अनुश्रवण परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

देहरादून। पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों को अब जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए कोषागारों के चक्कर नहीं काटने होंगे। इसके लिये ऑनलाइन डिजिटल प्रमाण पत्र जनरेट करने की व्यवस्था हो चुकी है। साथ ही ई-जीवन प्रमाण पत्र व्यवस्था भी लागू की गई है।

प्रो.सावित्री कैड़ा की पुस्तक का विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं विधायक सरिता आर्य द्वारा कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल डीएसबी परिसर इतिहास विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सावित्री कैड़ा जन्तवाल द्वारा लिखित पुस्तक 'कुमाऊँ की महिलाओं का राष्ट्रीय संग्राम तथा स्थानीय जन आन्दोलन में योगदान' पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड आन्दोलन में मातृशक्ति की भूमिका हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में प्रोफेसर सावित्री जन्तवाल, परिसर निदेशक डीएसबी प्रो. नीता बोरा शर्मा, आईएएस आनन्द बर्धन, आईएएस दिलीप जावलकर, डॉ. भुवन आर्या, आशा बिष्ट, बबीता उप्रेती उपस्थित रहे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

उत्तरायणी की तैयारी में जुटी हैं संस्थाएं और मेलों की तैयारी

जनवरी माह में मकर संक्रान्ति मेले पर देशभर में श्रद्धालु जुटेंगे। इसी क्रम में उत्तराखण्ड में भी तैयारी होने लगी है। उत्तरायणी उत्सव की तैयारी में जगह-जगह संस्थाएं जुट चुकी हैं और मेला कमेटियां नदी-घाटों पर अपनी तैयारी में लगी हैं।

बागेश्वर में उत्तरायणी मेले की पुरानी परम्परा अनुसार सर्वाधिक श्रद्धालु आते हैं। मेले के लिये सरकारी तौर भी तैयारी होने लगी है। उत्तरकाशी में भी इसी प्रकार की तैयारी हो रही है। हल्द्वानी के पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच सहित अन्य स्थानों पर कार्यक्रम की तैयारी होने लगी है। रानीबाग में परम्परागत तरीके से होने वाले आयोजन के लिये कत्यूरी बंशजों की आवत होगी, तैयारियों के लिये लोग जुट गये हैं। प्रदेश के तमाम शहरों में होने वाले आयोजनों के लिये तैयारी की सूचना है। बरेली (यूपी) में होने वाले उत्तरायणी आयोजन के लिये कमेटी ने कई जगह सम्पर्क किया है। लखनऊ, कानपुर, भोपाल, दिल्ली, हरियाणा, मुम्बई से भी तैयारी की सूचना है।

भूमिधरी के लिये बाजपुर में प्रदर्शन

बाजपुर। स्थानीय बीस गाँवों की 5838 एकड़ भूमि के भूमिधरी अधिकारों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान, मजदूर व व्यापारियों ने शहर में जबर्दस्त जुलूस प्रदर्शन किया। इस दौरान सरकार पर हठधर्मिता का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की और सफलता न मिलने तक आन्दोलन जारी रखने का ऐलान किया।

प्रदर्शनकारी बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों में नवीन कृषि उत्पादन मण्डी समिति परिसर में एकत्रित हुए, जहाँ गुरुद्वारा नानकसर ठाठ गजरौला के मुख्य सेवादार सन्त बाबा प्रताप सिंह, भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, टीडीसी के पूर्व अध्यक्ष हरमन्दर सिंह बरार, संयोजक जगतार सिंह बाजवा, रणवीर सिंह सोनू ने किसान ध्वज दिखाकर रैली को शुरू किया। प्रदर्शन में तरना दल के प्रमुख सेवादार जोबन सिंह के योद्धाओं व गुरुद्वारा नानकसर ठाठ के प्रमुख सेवादार सन्त बाबा प्रताप सिंह भी थे। विशाल जुलूस ने भगत सिंह प्रतिमा के सामने प्रदर्शन करते हुए धरना दिया और सरकार से सुनवाई की मांग की। इस मौके पर हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेन्द्र हुड्डा के भतीजे हरेन्द्र हुड्डा भी उपस्थित थे।

कांडा-कमस्यार विकासखण्ड की मांग

बागेश्वर। कांडा-कमस्यार को विकास खण्ड का दर्जा दिये जाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति ने मुखर हो गई है। करीब पचास हजार की आबादी वाले कांडा-कमस्यार घाटी के लोग पहले भी यह मांग उठा चुके हैं। पिथौरागढ़ जिले की सीमा से लगे इस क्षेत्र के कांडा का कुछ हिस्सा बागेश्वर और कपकोट विकास खण्ड में शामिल है। विकासखण्ड के कार्यों के लिये लोगों को बागेश्वर और कपकोट जाना पड़ता है।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट गोविन्द सिंह भण्डारी ने कहा कि क्षेत्र के लोग साठ के दशक से पृथक विकास खण्ड की मांग उठाते रहे हैं। प्राचीन भद्रकाली मन्दिर, महाकाली मन्दिर के यिले यह इलाका विख्यात है। रावतसेरा जैसे धान के कटोरे कहे जाने वाले खेत यहाँ की थाती हैं। जनता मांग पूरी होनी चाहिये।

गौला में खनन निजीकरण का विरोध

हल्द्वानी। निजीकरण के विरोध में खनन वाहन स्वामियों ने शहर में महारैली निकालने के साथ ही खनन कार्य शुरु न होने देने की चेतावनी दी है।

खनन वाहन स्वामी नैनीताल रोड स्थित बुद्ध पार्क में सभा करने के बाद जुलूस के रूप में घूमे। गुस्साए वाहन स्वामियों ने कहा कि वाहनों की फिटनेस निजी हाथों में सौंप दी गई है। अब राज्य सरकार द्वारा खनन की रॉयल्टी वसूली का जिम्मा भी प्राइवेट ठेकेदार को दिया जा रहा है। सरकार खनन के निजीकरण की साजिश कर रही है, इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वाहन स्वामियों ने जीपीएस की अनिवार्यता समाप्त करने और पूर्व की तरह फिटनेस व्यवस्था की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम कैम्प के सामने नारेबाजी करते हुए ज्ञापन सौंपा। कहा कि निजीकरण के साथ ही खनन से जुड़े वाहन खनन क्षेत्र से मात्र सात किमी की परिधि में अपना कार्य करते हैं, पर विचार करें। गौला संघर्ष समिति ने आगे रणनीति पर जुटी है

सरोवर नगरी सड़कें होंगी चकाचक

नैनीताल। सरोवर नगरी की सड़कें जल्द ही चकाचक होंगी। लोक निर्माण विभाग ने शहर की संकरी सड़कों के चौड़ीकरण और बदहाल स्थिति के चौराहों को ठीक किये जाने को लेकर 5 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था, जिसे शासन ने मंजूरी दे दी है। जल्द ही शहर की सड़कों और सात चौराहों की बदहाल स्थिति को दुरुस्त किया जायेगा। लोनिवि के अधिशासी अभियन्ता रत्लेश सक्सेना ने बताया पर्यटन सीजन के दौरान नैनीताल शहर में लगने वाले जाम और बदहाल सड़कों के हालात सुधरेंगे। डीएम के निर्देश पर लोनिवि ने फांसी गधेरा, गांधी चौक, मनु महारानी तिराहा, मस्जिद तिराहा, चीना बाबा चौक, रिक्शा स्टैण्ड, एसबीआई चौक समेत अन्य चौराहों की स्थिति सुधारने के निर्देश दिये थे। जिसके बाद लोनिवि प्रस्ताव और डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। साथ ही अतिक्रमण भी हटाया जाना है।

विवि भवनों का सौन्दर्यीकरण होगा

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय परिवर का मण्डी कुमाऊँ की तकनीकी टीम ने निरीक्षण करते हुए बताया कि विवि के भवनों के जीर्णोद्धार, सौन्दर्यीकरण कार्य, नवीन कक्षाओं का निर्माण आदि आवश्यक संसाधनों की पूर्ति के लिए डीपीआर तैयार कर शासन को भेजेगी। जिस पर शासन स्तर पर आगे की करर्रवाई की जायेगी। विवि के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि सीएम को विवि की शैक्षणिक गतिविधियों, विकास कार्यों और संरचनात्मक स्वरूप आदि को लेकर देहरादून में विस्तार से जानकारी दी गई थी। विवि परिसर के जीर्ण हो चुके भवनों और उसमें संचालित कक्षाओं की स्थिति, भवनों के सौन्दर्यीकरण कार्यों, विवि की मूलभूत आवश्यकताओं का तीव्र संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री ने तकनीकी टीम को निरीक्षण के लिये भेजा। इस निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल ने कुलपति से तमाम मुद्दों पर चर्चा की। इस अवसर पर छात्रसंघ पदाधिकारी व प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

आश्वासन के बाद धरना समाप्त

डीडीहाट। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पिछले तीन माह से भी अधिक समय से जारी धरना प्रदेश सरकार के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। विधायक विशन चुफाल ने जूस पिलाकर धरना तुड़वाया।

फ्रांस के वैज्ञानिक दल भ्रमण पर

रुद्रपुर। भारत के फ्रांस दूतावास साइंस काउंसलर नई दिल्ली में 9 फ्रांसीसी संस्थानों की एक डेलिगेशन और 20 डेफिआ (2023-2028) के सदस्यों द्वारा जीबी पन्त विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया। ताकि दीर्घकालीन सहयोग विकसित किया जा सके और दो देशों के बीच आत्मसमर्पण को बढ़ावा देने के लिये आदान-प्रदान किया जा सके।

चारागाह भूमि पर अतिक्रमण से रोष

पिथौरागढ़। शहर से लगे पपदेव गाँव की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण करने से ग्रामीणों में रोष है। चारागाह और ग्रामीणों की नाप भूमि पर अतिक्रमण के विरोध में प्रदर्शन करते हुए कहा कि यदि भूमि घेरने की कोशिश हुई तो आन्दोलन होगा।

फिर से काट डाले हरे पेड़

लोहाघाट। बाराकोट मोटर मार्ग से लगे ग्रामसभा सुई के आरक्षित वन क्षेत्र में तस्करों ने दूसरी बार हरे पेड़ काट डाले हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना विभाग को देते हुए तस्करों को दबोचने व जंगलों की सुरक्षा के लिये गश्त बढ़ाए जाने की मांग की है।

बैंक जोग्यूड़ा थल में ही बना रहे

थल। तहसील क्षेत्र के जोग्यूड़ा थल में उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक की शाखा को अन्यत्र शिफ्ट करने की सुगबुगाहट से ग्रामीणों ने रोष जताते हुए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। कहा कि क्षेत्र की परिस्थितियां देखते हुए बैंक अन्यत्र शिफ्ट नहीं किया जाए।

भूमियाधार को पर्यटन से जोड़ेंगे

नैनीताल। मण्डल आयुक्त दीपक रावत ने भूमियाधार में बाबा नीम करौली के स्थापित मन्दिर में पूजा अर्चना की और बाबा की कुटिया में ध्यान लगाया। कहा कि भूमियाधार गाँव को धार्मिक पर्यटन के साथ जोड़ा जायेगा। जगह-जगह साइन बोर्ड लगाये जायेंगे, पार्किंग और शौचालय का निर्माण करवाया जायेगा।

चुनाव बहिष्कार करने की चेतावनी

अल्मोड़ा। लमगड़ा विकास खण्ड के सांगड़ साहू के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण न होने पर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी है। कहा कि 2016 में स्वीकृत सड़क कार्य आज तक टला हुआ है।

चीनी मिल का निरीक्षण किया

किच्छा। विधायक तिलकराज बेहड़ के चीनी मिल निरीक्षण के बाद मिल में नए बॉयलर में आ रही दिक्कतों का विवाद थम चुका है। विधायक बेहड़ ने मिल के अधिशासी निदेशक टी.एस.मर्तोलिया एवं चीफ इंजीनियर महेश चन्द्र पाण्डे के साथ निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया।

देवीधुरा में शुरु होंगी एमए कक्षाएं

पाटी। राजकीय आदर्श महाविद्यालय देवी धुरा में अगले सत्र से पीजी (स्नातकोत्तर) की पढ़ाई शुरु हो जायेगी। शासन ने एम ए की कक्षाओं को मंजूदी देते हुए तीन विषयों की स्वीकृति प्रदान की है। यहाँ सिर्फ 6 विषय थे। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष देवेन्द्र भट्ट और अर्जुन बिष्ट के नेतृत्व में कई दिनों तक जबर्दस्त आन्दोलन के बाद कालेज में एमए की हिन्दी, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान के विषयों को संचालित करने की सैद्धान्तिक स्वीकृति हुई है।

परिक्रमा

गंगोलीहा में एमए की कक्षाओं को ज्ञापन

गंगोलीहाट। राजकीय महाविद्यालय में एमए की कक्षाएं संचालित करने की मांग को लेकर हरगोविन्द रावल ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भेंट की और अविलम्ब कक्षाएं शुरु करवाने का निवेदन किया। कहा 22 वर्षों से सिर्फ बीए की कक्षाएं ही चल रही हैं।

गैरलचौड़ मैदान सर्किट का विकास

चम्पावत। सीएम द्वारा मुख्यालय के गैरलचौड़ परिक्षेत्र से सम्बन्धित की गई घोषणाओं को पूरा करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। जिसमें स्टेडियम निर्माण के साथ इण्डोर गेम्स के अतिरिक्त मनोरंजन के साथ ही शापिंग काम्प्लेक्स, कार पार्किंग निर्माण, बच्चों के मनोरंजन के लिए चिल्ड्रन पार्क का निर्माण प्रस्तावित है। डीएम नवनीत पाण्डे इस सम्बन्ध में गणमान्य जनों के साथ बैठक भी की।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

रेंजर हरीश पाण्डे की मौत के कारणों पर सवाल उठाए जा रहे हैं आंखिर क्या और क्यों हुआ ऐसा....

परिजनों ने उच्चाधिकारियों पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

पि.हि. प्रतिनिधि

हल्द्वानी। रेंजर हरीश चन्द्र पाण्डे की मौत के कारणों पर सवाल उठाए जा रहे हैं आंखिर क्या और क्यों हुआ ऐसा? ईमानदार अधिकारी के रूप में पहचान रखने वाले श्री पाण्डे की मौत की गुत्थी हत्या या आत्महत्या में उलझ गई है। बीते 29 नवम्बर 2023 को लापता हुए रेंजर का शव भीमताल की झील में मिला। पुलिस मौत की वजह जानने में जुटी है।

29 नवम्बर को घर से लापता हुए रेंजर का शव झील में तैरता मिला। भीमताल झील के सामने एक रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज में शव झील के किनारे आते दिखाया दिया था। परिजन उनकी गुम हो जाने को लेकर परेशान थे लेकिन झील में शव मिलने से पहले वह कहाँ थे पता नहीं नहीं चला, बाद में उनकी लोकेशन भीमताल की ओर दिखाई दी। मौत की गुत्थी क्या है यह तो जाँच के बाद ही पता चलेगा।

रेंजर हरीश चन्द्र पाण्डे तराई केन्द्रीय वन डिवीजन में भाखड़ा के रेंज अफसर थे। वह भगवानपुर में पत्नी पूर्णिमा पाण्डे, पुत्र यथार्थ और हितार्थ के साथ रहते थे। यथार्थ गुड़गांव और हितार्थ मोहाली में नौकरी करता है। माँ सरकारी स्कूल से सेवानिवृत्त है। माँ की देखभाल के लिये उन्होंने वर्ष 2008 में भगवानपुर में मकान बनाया था। जहाँ कुछ समय पूर्व ही वह अपने परिवार को लेकर आए थे। इसके बाद वह अल्मोड़ा से स्थानान्तरित होकर हल्द्वानी आए थे।

परिजनों के अनुसार वह दो वर्ष पूर्व ही तराई केन्द्रीय वन डिवीजन में आए थे। कुछ समय पूर्व उन्हें भाखड़ा रेंज का चार्ज मिला था। तब से वह परेशान रहते थे। परिजनों ने उच्च अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। कहते हैं उच्चाधिकारियों के दबाव को लेकर पीड़ा बयां करते थे। कहा कि उन्हें पेड़ काटने के मामले में झूठा फंसाया जा रहा था, जिसकी वजह से वह मानसिक तौर पर परेशान थे। यह भी आरोप लगाया कि जब रेंजर पाण्डे लापता थे तब भी कोई मदद मदद को नहीं आया। आंखिरी लोकेशन भीमताल में मिली, तब मदद के लिये डीएफओ और एसडीओ से मिलने गए लेकिन उन्होंने मुलाकात नहीं की। रेंजर के परिजनों का सीधा आरोप है कि वन विभाग का असहयोगात्मक रवैया रहा। 29 नवम्बर से 13 दिसम्बर तक परिजनों सने खोजबीन की, एक भी वनकर्मी साथ नहीं था।

हल्द्वानी तहसील में लाखों का गबन, कई बार जाँच हो चुकी

हल्द्वानी। हल्द्वानी तहसील से 42.32 लाख रुपये का गबन मामले में अब जाँच शुरू हो चुकी है। गबन की पुष्टि होने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलदार सचिन कुमार ने नायब नाजिर मो.जफर आलम के विरुद्ध कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई। बताया है कि तहसील हल्द्वानी में नायब नाजिर रहे मो. जफर के खिलाफ 5 साल से जाँच चल रही थी, अभी वह नैनीताल तहसील में तैनात हैं। जाँच सामने आया कि जफर ने खतौनी मद, ई-जनाधार और वासिल वाकी नवीस के लिए आने वाला धन सरकारी कोष में जमा करने के बजाय अपने जेब में रख लिया। पद पर रहते हुए जफर ने 4232263 रुपये का गबन किया। उन्होंने खतौनी मद में 2708010 रुपये, ई-जनाधार से प्राप्त आय के 1492452 रुपये और वारिस वाकी नवीस (आय-व्यय) के 28800 रुपये गबन कर लिए। जनाधार केन्द्रों से वूसली गई इस रकम को विभागीय बैंक खाते में जमा कराया जाना था।

बताया जा रहा है कि तत्कालीन एसडीएम कोश्याकुटौली प्रमोद कुमार ने 2017-18 में मामले की जाँच की थी। इसके बाद भी मामले में जाँच होती रही और जाकर मामला खुला।

बलियानाला उपचार और विस्थापन

नैनीताल। खतरा बने हुए बलियानाला का 170 करोड़ की लागत से उपचार होगा और यहाँ से 80 परिवारों को विस्थापित किया जायेगा।

सचिव सिंचाई हरीश सेमवाल, हाईकोर्ट के महाधिवक्ता एस.एन. बाबुलकर, सिंचाई विभाग के प्रमुख अभियन्ता जयपाल सिंह, हाईकोर्ट के अधिवक्ता सैय्यद नदीम मून समेत सिंचाई विभाग के तमाम अधिकारियों ने बलियानाले क्षेत्र का गहनता से निरीक्षण किया है। महाधिवक्ता बाबुलकर ने कहा कि क्षेत्र में हो रहे भूस्खलन का मामला बेहद गम्भीर है। नैनीताल के अस्तित्व के लिये यह जरूरी है। इसके अलावा आलू खेत क्षेत्र में हो रहे भूस्खलन को रोकने के लिए क्षेत्र का निरीक्षण कर विस्तृत कार्य योजना बनाई जायेगी।

सिंचाई विभाग के मुख्य अभियन्ता संजय शुक्ला ने बताया कि बलियानाले में कार्य को लेकर टेंडर प्रक्रिया के बाद जनवरी माह से नाले का काम होगा। भूस्खलन से करीब 200 मीटर का क्षेत्र अब तक खाई में समा चुका है। क्षेत्र में लगातार हो रहे भूस्खलन के चहते करीब 100 से अधिक परिवार अपने आशियाने छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा चुके हैं। वहीं अब 80 से अधिक परिवारों को विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है। नाला के कार्य के दौरान हरी नगर क्षेत्र से 80 परिवारों को दूसरे स्थान पर विस्थापित किया जाएगा। इसके लिये कार्य योजना बन चुकी है।

कैंची धाम बाईपास के लिये राशि स्वीकृत

नैनीताल/भवाली। कैंची धाम में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिये बाईपास योजना है, इसके लिये 12.14 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। इस राशि से सेनिटोरियम से सिरोड़ी मार्ग की ओर आठ किमी तक चौड़ीकरण डामरीकरण का कार्य किया जायेगा।

असल में कैंची धाम में भक्तजनों व उत्सुकों की भीड़ लगातार बढ़ने से भवाली-अल्मोड़ा मार्ग में यातायात व्यवस्था बुरी तरह चरमा चुकी है। पार्किंग व्यवस्था होने के बावजूद सड़क में रेंगते वाहनों व सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों से राह चहने वालों को बहुत परेशान होना पड़ रहा है। ऐसे में बार-बार यात्रा मार्ग के लिये विकल्प की बात हो रही थी। शासन-प्रशासन इस दिशा में कार्रवाई कर रहे थे।

नव वर्ष २०२४ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

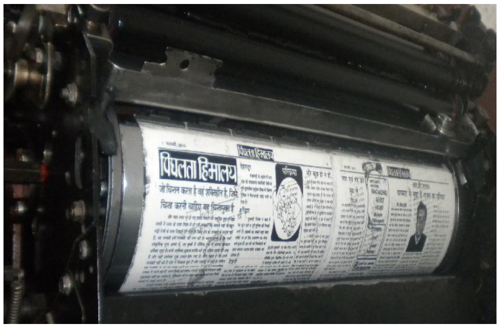

जसुली लला की धरोहर संवारें : शकुन्तला

जौलजीवी। सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती शकुन्तला दताल ने महान दानवीरांगना जसुली बूढ़ी शौक्याणी की धरोहरों को संवारने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सीमान्त क्षेत्र की इस अमा ने अपने समय में जनहित के लिये जगह-जगह धर्मशालाओं का निर्माण करवाते हुए पुण्य का कार्य किया। पुराने समय में जब यातायात के कोई साधन तक नहीं थे और न ही ठहरने की सुविधा, जसुली लला के दान ने बहुत कुछ दिया। जगह-जगह बनी उनकी धरोहरों को संवारने के लिये सभी को मन से जुटना चाहिये। जसुली शौक्याणी दारमा, चौंदास, व्यास सभी सीमान्त क्षेत्र की पुज्य हैं। उनका स्मरण करते हुए जितना हो सके सभी को आगे आना चाहिये। इस दिशा में कार्य होने लगे हैं लेकिन अभी भी कई जगह खण्डहर की स्थित में जो धरोहरें हैं उन्हें अतिक्रमण मुक्त कर संवारना होगा। यह ऐतिहासिक और यादगार धरोहर हैं।

टूरिस्ट गाइडों के साथ न्याय किया जाए : राजू मर्तोलिया

मुनस्यारी। लम्बे समय से हिमनगरी से लगे महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्यटकों को ले जा रहे गाइड राजेन्द्र सिंह मर्तोलिया उर्फ राजू गाइड ने टूरिस्ट गाइडों के साथ न्याय करने को कहा है। वह कहते हैं कि मुनस्यारी के सौन्दर्य के लिये देशी विदेशी लोग आना चाहते हैं लेकिन ऑनलाइन बुकिंग आदि से पर्यटक मूल जगह पर इसलिये नहीं पहुँच पा रहे हैं क्योंकि उन्हें घुमाने वाले पूरी जानकारी ही नहीं रखते। जबकि पर्यटन विभाग को इस दिशा में निगरानी रखनी चाहिये। दर्शनीय स्थानों के अलावा क्षेत्र की विशिष्ट चीजों के बारे में जानकारी रखने वालों चिन्हित कर प्रमाण पत्र दिया जाए। वह कहते हैं कि कई बार ऐसा हो रहा है पर्यटक जिन जगहों पर रुक रहे हैं उन्हें वहीं टहला दिया जाता है जबकि बाहर से आने वाले सैलानियों को उनके मुताबिक स्थानों का भ्रमण के साथ ही पूरी जानकारी दी जानी चाहिये। वह बताते हैं कि उन्हें उत्साहित करने के लिये पिघलता हिमालय, हरीश धर्मशक्तू, चन्द्र सिंह दास्पा व कुछ साथी हमेशा रहे हैं।

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण

बाजपुर। मण्डलायुक्त ने नमामि गंगे योजनान्तर्गत बन रहे 10 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लान्त का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुणवत्ता परीक्षण से सम्बन्धित रजिस्टर, अन्य लैब्स से प्राप्त रिपोर्ट का भी अवलोकन किया। उन्होंने गुणवत्ता परीक्षण हेतु पानी में रखे गए कंक्रीट निर्मित क्यूब मिट्टी में दबे होने पर नाराजगी व्यक्त की और अपने सामने ही जेसीबी से मिट्टी हटवाकर क्यूब को देखा और पानी से अलग रखे हुए क्यूब की अपने सामने परीक्षण करवाया।

पिघलता हिमालय के सदस्य ध्यान दें-

पिघलता हिमालय की वार्षिक सदस्यता 200/- आजीवन सदस्यता-2000/- है। इसके अतिरिक्त अपने सन्देश/विज्ञापन के रूप में सहयोग दिया जा सकता है। सहयोग राशि सीधे बैंक में भेजने वाले राशि जमा करते ही उसकी सूचना हमारे मो0न0 पर भी दें ताकि मान्य हो सके। स्थानान्तरण होने की स्थिति में सदस्यगण अपना पता बदलने की सूचना भी समय से दें।

खाते का नाम- पिघलता हिमालय

बैंक का नाम- बैंक ऑफ इण्डिया

शाखा कार्यालय कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी(नैनीताल)

खाता नं- 705120110000225

IFSC कोड नं- BKID 0007051

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नव वर्ष २०२४ की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

FITNESS POINT GEM

शिवमन्दिर के निकट, भोटिया पड़ाव हल्द्वानी

के०एस०रावत

570 सी,
बृन्दावन विहार
मल्ली बमोरी,
हल्द्वानी

आलोक पाण्डे

श्री राम निवास,
निकट- गुरुद्वारा
कत्यूर बाजार,
बागेश्वर

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise

Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर
घर का सा

होटल लक्ष्य इन मदकोट

सम्पर्क
7351285555

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र

हिमालय संगीत शोध समिति

जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

MARTOLIA FURNITURE

A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर

नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स

हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)